



---

shrIvallabhAShTakam 4

श्रीवल्लभाष्टकम् ४

Sanskrit Document Information



---

Text title : vallabhAShTakam 4

File name : vallabhAShTakam4.itx

Category : deities\_misc, gurudev, puShTimArgIya, aShTaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : tArAsevaka

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : February 28, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

March 17, 2018

*sanskritdocuments.org*



श्रीवल्लभाष्टकम् ४

---



प्रकटितगोकुलमण्डन मणिकुण्डल ए ।  
भक्तहेतुधृतकाय जय श्रीवल्लभ ए ॥ १ ॥

दुःखितकरुणासागर जितनागर ए ।  
मायामानुषवेष जय श्रीवल्लभ ए ॥ २ ॥

रत्नजटितकनकासन शुभशासन ए ।  
गिरिधरभक्तिनिधान जय श्रीवल्लभ ए ॥ ३ ॥

सरसिजसुन्दरलोचन भवमोचन ए ।  
त्रिभुवनवन्दितनाम जय श्रीवल्लभ ए ॥ ४ ॥

द्विजकुलमस्तकभूषण जितदूषण ए ।  
सदसि विजितबुधवृन्द जय श्रीवल्लभ ए ॥ ५ ॥

निजजनकल्मषखण्डन कुलमण्डन ए ।  
पदजलपावितलोक जय श्रीवल्लभ ए ॥ ६ ॥

गुरुकुलवल्लभवल्लभ जनवल्लभ ए ।  
वल्लभवशावतंस जय श्रीवल्लभ ए ॥ ७ ॥

तव चरणे स्मरतो मम निगमागम ए ।  
तव भजने रतिरस्तु जय श्रीवल्लभ ए ॥ ८ ॥

श्रीवल्लभपदाम्भोज-भृत्यताराभिधान हि ।  
गुरुस्तोत्राष्टपद्युक्ता गीतापाठफलप्रदा ॥ ९ ॥

इति तारासेवककृता श्रीवल्लभाष्टपदी समाप्ता ।

*shrIvallabhAShTakam 4*

pdf was typeset on March 17, 2018

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

